उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक
UTTARAKHAND GRAMIN BANK

UGB

13th ANNUAL REPORT
तेरहवीं वार्षिक प्रतिवेदन
2024-25

उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक
UTTARAKHAND GRAMIN BANK

वार्षिक प्रतिवेदन
2024-25

प्रधान कार्यालयः
18, न्यू रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड पिनः 248001
फोनः 0135-2710660, 2710661
ईमेलः info@ugb.org.in
वेबसाईटः www.uttarakhandgraminbank.com

पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सचिवालय
देहरादून-248001
फोन : 0135-2650433
0135-2716262
फैक्स : 0135-2712827
कैम्प कार्यालय
फोन : 0135-2650033
0135-2750344
फैक्स : 0135-2752144

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 का वार्षिक प्रतिवेदन का प्रकाशन किया जा रहा है। किसी भी बैंक का वार्षिक प्रतिवेदन के प्रकाशन से बैंक द्वारा किए जा रहे कार्यों, उपलब्धियों एवं समर्पण को दर्शाने वाला एक महत्वपूर्ण अभिलेख होता है। उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक ने विगत वर्ष में समावेशी बैंकिंग, सशक्त एनपीए प्रबंधन, साइबर सुरक्षा, और वित्तीय साक्षरता जैसे विविध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य किये हैं। बैंक ने न केवल वित्तीय साक्षरता जैसे विविध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। बैंक ने न केवल वित्तीय अनुशासन और पारदार्शिता को बनाए रखा, बल्कि तकनीकीनवाचारोंकोअपनाकरग्राहकसेवामेंभीनिरंतरसुधारकियाहै।मुझेआशाहैकिकृषिएवंग्रामीणअर्थव्यवस्थाको मजबूती देने में बैंक की सक्रिय भागीदारी और प्रतिबद्धता, आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड के निर्माण में अत्यन्त सहायक सिद्ध होगी। वित्तीय साक्षरता शिविरों और ग्राम स्तरीय कार्यक्रमों के माध्यम से जनसामान्य को जागरूक और सशक्त बनाने की दिशा में भी बैंक का प्रयास प्रशंसनीय है। मुझे यह भी आशा है कि उत्तराखण्ड ग्रामीण बेंक भविष्य में भी राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास में अपनी प्रभावशाली भूमिका निभाता रहेगा और उत्कृष्टता के लिए मानक स्थापित करेगा।

मेरी ओर से उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक को वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु वार्षिक प्रतिवेदन के सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाए।

(पुष्कर सिंह धामी)

संदेश

मैं उत्तराखंड ग्रामीण बैंक को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट के सफल प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। यह रिपोर्ट बैंक द्वारा किए गए कार्यों के अंतर्गत ज्ञान-प्रसारण का माध्यम बनने और सर्वसमावेशी प्रयोजनों की दिशा में किए गए महत्वपूर्ण प्रयासों को दर्शाती है। उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक के प्रयास सतत् व समावेशी वित्तीय और उद्यमी विकास के लिए प्रेरणा का कार्य करते हैं।

वित्त वर्ष 2024-25 में बैंक ने कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त की है। विशेष रूप से:

- बैंक ने इस वर्ष भी पिछले वर्ष की भांति ₹78 करोड़ का लाभ अर्जित किया, जो बैंक की स्थिरता और कुशल प्रबंधन का प्रमाण है।
- साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में बैंक द्वारा उल्लेखनीय कार्य किया गया, जिसके परिणामस्वरूप बैंक को IBA CISO Summit में विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- बैंका ने ऋण व जमा अनुपात (Credit & Deposit Ratio) को बढ़ाते हुए राज्य के औसत बराबर प्रदर्शन कर एक उपलब्धि हासिल की।
- कृषि क्षेत्र में भी बैंक का योगदान सराहनीय रहा है, जहाँ बैंक ने राज्य स्तर पर कुल वित्तपोषण का 15% योगदान दिया।
- इसके अतिरिक्त बैंक द्वारा वित्तीय संचालन और एनपीए प्रबंधन के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किया गया, जिसके फलस्वरूप नेट एनपीए शून्य बना रहा। वित्तीय साक्षरता को प्रोत्साहित करने हेतु बैंक द्वारा ग्राम स्तर कार्यक्रमों (VLP) तथा वित्तीय साक्षरता शिविरों (FLC) का प्रभावी संचालन किया गया, जिससे आमजन को बैंकिंग से जोड़ने में उल्लेखनीय सफलता मिली।

मैं उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक के स्टाफ सदस्यों शाखा प्रबंधकों, ग्राहक सुविधा प्रमुखों और विभिन्न विभाग प्रमुखों द्वारा की गई प्रतिबद्ध सेवा और समर्पण की सराहना करता हूँ। इन क्षेत्रों में नवाचार करने में आप सबका सक्रिय दृष्टिकोण बैंकिग उद्योग को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उतराखण्ड ग्रामीण बैंक की उपलब्धियाँ न केवल संस्थागत विकास के संकेत हैं, बल्कि सतत और समावेशी विकास की दिशा में बैंक के प्रयासों को भी दर्शाती हैं।

एक बार फिर उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक को इस महत्वपूर्ण प्रकाशन के लिए बधाई। मैं आशा करता हूँ कि भविष्य में भी बैंक इसी तरह सफलता की ऊँचाई छुएगा और अपनी सेवाओं से ग्रामीण समाज के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

पंकज यादव
मुख्य महाप्रबंधक
नाबार्ड, उत्तराखण्ड क्षेत्रीय कार्यालय

प्रिय उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक टीम,

वित्तीय वर्ष 2024-25 की समाप्ति पर, मैं उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक की पूरी टीम को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ। इस वर्ष आपने अपने दायित्वों को निर्वहन करते हुए बैकिंग सेवाओं को राज्य के कोने-कोने तक पहुँचाया और ग्राहकों की आवश्यकताओं को समय पर पूरा किया।

आप सभी के निरंतर प्रयासों ने बैंक को स्थिरता देने और संचालन को व्यवस्थित बनाए रखने में महत्वूपर्ण भूमिका निभाई है। हम आशा करते हैं कि आप आगे भी इसी समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते रहेंगे, ताकि बैंक अपने सामाजिक और व्यावसायिक उद्देश्यों को पूरी तरह हासिल कर सके।

भविष्य में आपके कार्यों के लिए शुभकामनाएँ। हमें विश्वास है कि आपकी टीम ग्राहकों के विश्वास और संतुष्टि को हमेशा प्राथमिकता देगी।

सादर,

डी. मुन्शी

(डी. मुंशी)
मुख्य महाप्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट सेंटर
मुंबई

bank.sbi
+91 22 2224 0491
+91 22 2282 4490
cgm.ans@sbi.co.in

सहयोगी आणि अनुषंगी विभाग
कॉरपोरेट केंद्र
4था मजला, स्टेट बँक भवन
मादाम कामा रोड
मुंबई 400021 – भारत

सहयोगी एवं अनुषंगी विभाग
कॉरपोरेट केंद्र
4था मजला, स्टेट बैंक भवन
मादाम कामा रोड
मुंबई 400021 – भारत

Associates & Subsidiaries Department
Corporate Centre
4th Floor, State Bank Bhavan
Madame Cama Road
Mumbai 400021 - India

Index/सूची

vi निदेशक मंडल

vii Our Mentors

viii उच्च प्रबंधन

ix अध्यक्ष की कलम से

xi बैंक का विजन और मिशन

1 बैंक की प्रगति: एक दृष्टि में

5 निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन

39 Performance of the Bank at a Glance

42 Board of Directors Report

69 List of Auditors

70 Independent Auditors Report

74 Balance Sheet

85 Accounting Policies and Notes to Accounts

101 लेखा प्रणाली और लेखों से सम्बन्धित टिप्पणियां

निदेशक मण्डल

श्री हरि हर पटनायक
अध्यक्ष

श्री अभय गुप्ता
सहायक महाप्रबंधक
भारतीय रिजर्व बैंक, देहरादून

श्री निर्मल कुमार
महाप्रबंधक, नाबार्ड
देहरादून

श्री राजीव कुमार वर्मा
उपमहाप्रबंधक, (ए एण्ड एस)
एसबीआई, कार्पोरेट आफिस, मुम्बई

श्री विनोद कुमार
उपमहाप्रबंधक
एसबीआई (ए.ओ. 3), देहरादून

श्री गंगा प्रसाद
अपर सचिव (वित्त)
उत्तराखण्ड सरकार

सुश्री अनुराधा पाल
अपर सचिव (ग्राम्य विकास)
उत्तराखण्ड सरकार

Our Mentors

Shri Challa Sreenivasulu Setty
Chairman
State Bank of India
Corporate Centre, Mumbai

Shri Ashwini Kumar Tewari
Managing Director
Corporate Banking (CAG & CCG) & Subsidiaries
SBI, Corporate Centre, Mumbai

Shri Debangshu Munshi
CGM (Associates & Subsidiaries)
SBI, Corporate Centre, Mumbai

Shri V. Sivakumar
General Manager (RRB)
SBI, Corporate Centre, Mumbai

Our Regulators

Shri Pankaj Yadav
Chief General Manager
NABARD, Regional Office, Dehradun

उच्च प्रबंधन

श्री हरि हर पटनायक
अध्यक्ष

श्रीमती अमिता रतूड़ी
महाप्रबंधक

श्रीमती भारती नौडियाल
महाप्रबंधक

श्री राजीव प्रकाश
महाप्रबंधक

श्री महिपाल सिंह डसीला
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय कार्यालय प्रथम, देहरादून

श्री प्रवीण कुमार गोयल
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय कार्यालय द्वितीय, पौड़ी

श्री विशाल खत्री
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय कार्यालय तृतीय, पिथौरागढ़

श्री के.एम.शर्मा
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय कार्यालय चतुर्थ, हल्द्वानी

श्री कृष्ण कुमार
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय कार्यालय पंचम, अल्मोड़ा

अध्यक्ष की कलम से

प्रिय साथियों,

मुझे वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अपना वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। यह वर्ष बैंक के लिए उल्लेखनीय उपलब्धियों और सकरात्मक बदलावों का वर्ष रहा।

हमारे बैंक ने इस वर्ष सभी प्रमुख क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। हमारी योजनाएं, डिजिटल पहल और मजबूत क्रियान्वयन नीति ने बैंक को विकास की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। इसके अतिरिक्त, ग्राहक सेवा में उत्कृष्टता के लिए हमारी प्रतिबद्धता अटूट रही है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की कुछ प्रमुख उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं:

- बैंक द्वारा उत्तरकाशी जिले में नई शाखा नौगाँव खोली गयी हैं|
- बैंक द्वारा परिचालन लाभ ₹ 113.90 करोड़ तथा ₹ 78.11 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया गया है।
- दिनांक 31.03.2025 की तिथि पर बैंक का व्यवसाय 12.67 प्रतिशत की वृद्धि दर से ₹ 13048.45 करोड़ रहा, जिसमे जमा ₹ 8470.50 करोड़ (8.13 प्रतिशत वृद्धि) तथा ऋण ₹ 4577.95 करोड़ (22.16 प्रतिशत वृद्धि) है।
- बैंक का कुल कृषि ऋण वित्त वर्ष 2024-25 में 24.66 % की वृद्धि से बढ़कर ₹ 695 करोड़ हो गया है।
- बैंक का कुल एमएसएमई ऋण 36.96 % की वृद्धि से बढ़कर ₹ 1399 करोड़ हो गया है।
- 12636 स्वयं सहायता समूहों को क्रेडिट लिंकेज कर कुल ₹ 154.36 करोड़ का ऋण दिया गया है।
- 31 मार्च 2025 को बैंक के कुल ऋण के सापेक्ष सकल अनर्जक आस्तियों का प्रतिशत 31 मार्च 2024 के 4.14% से घट़कर 3.25% हो गया है।
- बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में लक्ष्य प्राप्ति के साथ- साथ वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में कुल 260 लाभार्थियों को ₹ 5.20 करोड़ दावा राशि एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में कुल 50 लाभार्थियों को ₹ 1.00 करोड़ दावा राशि का भुगतान अदा किया गया।

- वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान CSP चैनल के माध्यम से कुल ₹ 10,20,879 लेन-देन किए गए, जिनका मूल्य ₹ 351.23 करोड़ रहा। यह पिछले वर्ष के 6,88,703 लेन-देन (₹ 246.23 करोड़) के सापेक्ष लेन-देन की संख्या में 50% और मूल्य में 43% की वृद्धि को दर्शाता है।

- आवासीय प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना कर वित्तीय वर्ष 2024-25 में 785 कर्मचारियों (600 अधिकारी और 185 कार्यालय सहायक) को प्रशिक्षण दिया गया।

- बैंक द्वारा ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने, आंतरिक कार्यक्षमताओं को बढ़ाने, सुरक्षा को मजबूत करने हेतु नवीनतम डिजिटल तकनीकों को अपनाया गया।

- टीम भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कर्मचारी सहभागिता गतिविधियो जैसे कि मासिक आधार पर "वॉल ऑफ फेम", क्रिकेट टूर्नामेंट, दिवाली उत्सव, होली उत्सव, महिला दिवस आदि का आयोजन किया गया।

- बैंक द्वारा विभिन्न "कम्युनिटी कनेक्ट" कार्यक्रम आयोजित किए गए जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सामुदायिक बैठकें, आदि।

मुझे विश्वास है कि हम सभी के संयुक्त प्रयासों से उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक आने वाले समय में और अधिक ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा। मैं समस्त कर्मचारियों को उनकी कठिन परिश्रम, समर्पण और अनुकरणीय प्रतिबद्धता के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ। आपके सहयोग के बिना यह संभव नहीं होता ।

आइए, हम सब मिलकर अपनी सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाते हुए बैंक को समृद्ध भविष्य की ओर अग्रसर करें।

शुभकामनाओं एवं आभार सहित !

हरि हर पटनायक

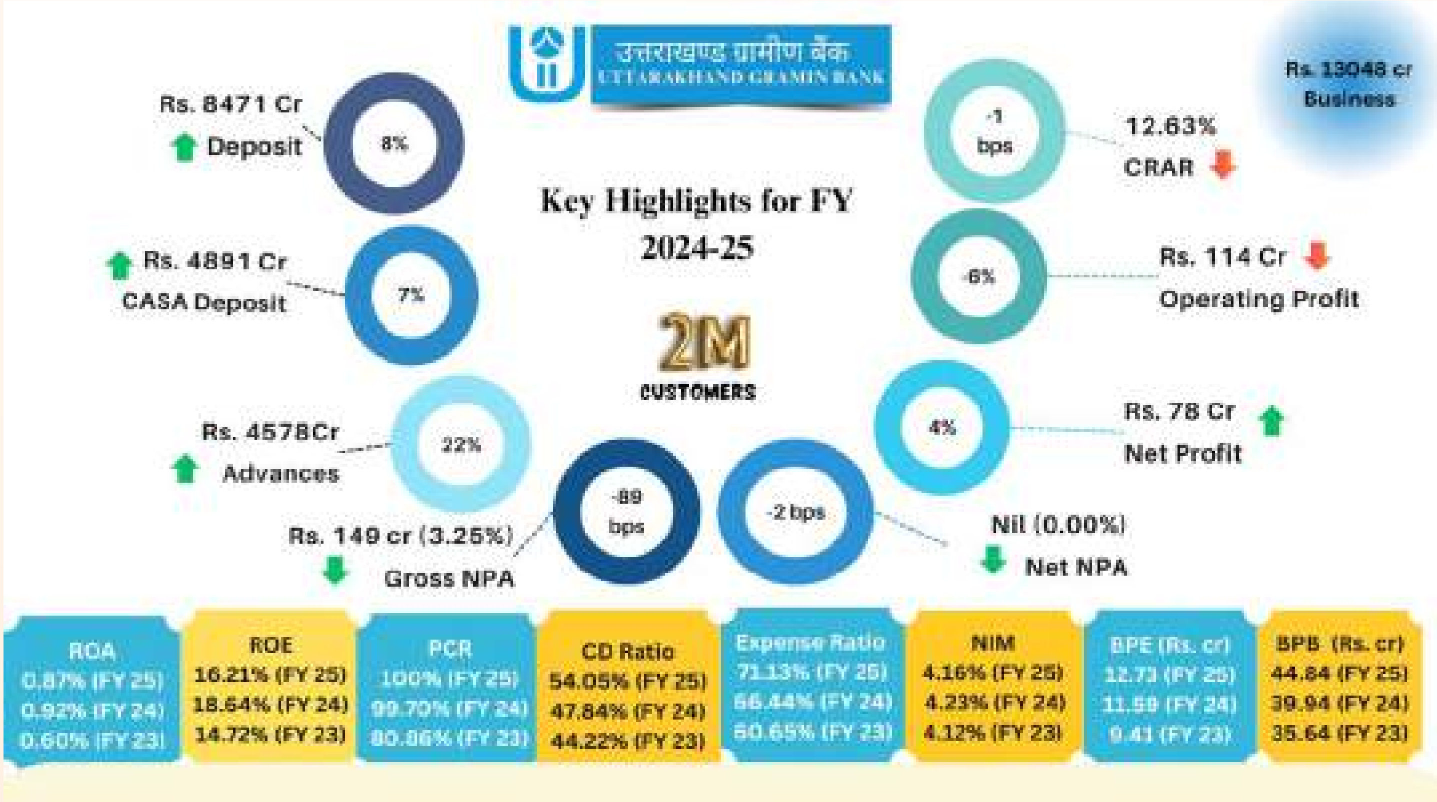

उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक
UTTARAKHAND GRAMIN BANK

दृष्टिकोण (VISION)

पारदर्शिता और सक्षमता के साथ ग्राहक केन्द्रित सेवाएं प्रदान करके उत्तराखण्ड के लोगों के जीवन को समृद्ध बनाकर उत्तराखण्ड राज्य का उत्तम बैंक बनना।

To become Uttam Bank of Uttarakhand State by enriching lives of Uttarakhand people by delivering customer-focussed services with transparency and competency.

लक्ष्य (MISSION)

नवोन्मेषी वित्तीय समाधान के लिये समर्पित, व्यैक्तिकृत सेवा और उत्तराखण्ड के अन्तिम छोर के नागरिक की सेवा के लिए सर्वांगीण समावेशन के लिए प्रतिबद्ध है।

Dedicated to deliver innovative financial solutions, personalized service and committed for all around financial inclusion, to service the last mile cititzen of Uttarakhand.

मूल्य (VALUES)

उत्तराखण्ड के लोगों के विश्वास, वित्तीय जरूरतों की पारदर्शिता, भावनात्मक भलाई और सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित दीर्घकालिक संबंध बनाना।

Building long-term relationship based on trust, transparency and a deep understanding of financial needs, emotional well-being & cultural values of the people of Uttarakhand.

उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक

बैंक की प्रगति : एक दृष्टि में

(राशि हजार में)

क्र.सं.	विवरण	31.03.2025	31.03.2024	31.03.2023	31.03.2022	31.03.2021
I	प्रमुख प्रगति सूचकांक					
1	कार्यक्षेत्र में जिलों की संख्या	13	13	13	13	13
2	शाखाओं की संख्या	291	290	288	286	286
	(अ) ग्रामीण	220	219	217	216	216
	(ब) अर्द्धशहरी	41	41	41	41	41
	(स) शहरी	30	30	30	29	29
	(द) महानगरीय	0	0	0	0	0
3	कुल स्टाफ (प्रायोजक बैंक स्टाफ के अतिरिक्त) जिसमें से	1020	999	1087	1049	1057
	अधिकारी	660	627	643	613	601
4	जमा राशियां	84704937	78336215	71177595	64855343	60050117
	वृद्धि प्रतिशत	8.13%	10.06%	9.75%	8.00%	9.79%
5	उधार अवशेष	2844105	1909802	1002335	854324	1104273
	वृद्धि प्रतिशत	48.92%	90.54%	17.32%	-22.63%	-11.64%
6	सकल ऋण एवं अग्रिम अवशेष	45779526	37476356	31473983	27908147	25962925
	वृद्धि प्रतिशत	22.16%	19.07%	12.78%	7.49%	6.94%
	6 में से प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋण	26417579	21337896	18706420	17498102	16677399
	6 में से अनु. जाति/जनजाति ऋण	3757456	3437340	3219514	3093099	3106364
	6 में से लघु सीमान्त कृषक खेतिहर मजदूरों को ऋण	5160229	4307009	3225956	2968356	3036000
	6 में से अल्पसंख्यकों को ऋण	1587688	1277169	1093699	1042270	1046099
7	ऋण जमा अनुपात	54.05%	47.84%	44.22%	42.96%	43.24%
8	1. निवेश अवशेष (सावधि जमा रहित)	36712501	37224150	34541482	32783267	28994078
	वृद्धि प्रतिशत	-1.37%	7.77%	5.36%	13.07%	15.15%
	i. सांविधिक तरल निधि निवेश	35489262	36205109	33795736	32233626	28405478
	ii. गैर सांविधिक तरल निधि निवेश (सावधि जमा रहित)	1223238	1019041	745746	549641	588600
	बैंकों के साथ चालू खाता अवशेष	329684	501667	321364	316836	284498

	बैंकों के साथ सावधि जमा अवशेष	9055821	8579572	7833889	6803484	7302253
II	**औसत**					
1	औसत जमा राशियां	80475777	73992220	67129865	61675287	57344873
	वृद्धि प्रतिशत	8.76%	10.22%	8.84%	7.55%	11.22%
2	औसत उधार	2144602	1225169	938763	987152	1162548
	वृद्धि प्रतिशत	75.05%	30.51%	-4.90%	-15.09%	-13.45%
3	औसत ऋण एवं अग्रिम अवशेष	39955015	33307744	28453714	25937773	24474391
	वृद्धि प्रतिशत	19.96%	17.06%	9.70%	5.98%	6.19%
4	औसत निवेश (सावधि जमा रहित)	36948607	35526696	33665564	31815008	28037448
	वृद्धि प्रतिशत	4.00%	5.53%	5.82%	13.47%	15.76%
	औसत गैर सांविधिक तरल विधि निवेश	35888060	34590263	33063133	31110752	27099414
	औसत गैर सांविधिक तरल विधि निवेश (सावधि जमा रहित)	1060547	936433	602431	704256	938034
	औसत निवेश का औसतन जमाओं में प्रतिशत	13.25%	55.44%	50.15%	51.58%	48.89%
5	औसत कार्यशील पूंजी	90207230	81379916	72876092	66018286	62158136
III	**ऋण वितरण**					
1	वर्ष के दौरान कुल ऋण वितरण	29280537	24684695	20131676	16293456	15147853
	1 में से प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण	15983157	12022893	9235883	7868931	7934742
	1 में से गैर लक्ष्य समूह को ऋण	13297379	12661802	10895793	8424525	7213111
	1 में से अनु0 जाति/जनजाति को ऋण	1995044	1887363	1789444	1519253	1362687
	1 में से लघु सीमान्त कृषकों/खेतिहर मजदूरों को ऋण	3953044	3206844	2180811	1688925	1785389
IV	**उत्पादकता**					
1	प्रति शाखा	448400	399354	356429	324726	300745
2	प्रतिकर्मी	127302	115928	94089	88114	80992
V	**वसूली प्रगति**					
	सकल (30 जून 2024 तक)					
	मांग	10671788	9819254	8099855	7193591	5530774
	वसूली प्रगति :	9200663	8304407	6554416	5703264	4457172
	अतिदेय	1471126	1514848	1545439	1490327	1073602
	वसूली प्रतिशत	86.21%	84.57%	80.92%	79.28%	80.59%
1	कृषि क्षेत्र					
	मांग	1786852	1823386	1550027	1653010	1502920
	वसूली	1059511	1118495	870471	1020473	927535

	अतिदेय	727341	704891	679556	632537	575385
	वसूली प्रतिशत	59.29%	61.34%	56.16%	61.73%	61.72%
2	गैर कृषि क्षेत्र					
	मांग	8884936	7995868	6549828	5540581	4027854
	वसूली	8141152	7185912	5683945	4682791	3529637
	अतिदेय	743785	809957	865883	857790	498217
	वसूली प्रतिशत	91.63%	89.87%	86.78%	84.52%	87.63%
VI	**आस्ति वर्गीकरण**					
1	मानक आस्ति	44290968	35924394	29755053	25896503	23924242
	अवमानक आस्ति	269164	258894	262914	453726	672689
	संदिग्ध आस्ति	1185087	1257163	1436496	1545494	1350398
	हानिपद्र आस्ति	34307	35905	19520	12424	15596
	योग	45779526	37476356	31473983	27908147	25962925
2	मानक आस्तियों को सकल ऋण व अग्रिम शेष में प्रतिशत	96.75%	95.86%	94.54%	92.79%	92.15%
	सकल अनर्जक आस्ति प्रतिशत में	3.25%	4.14%	5.46%	7.21%	7.85%
	निवल अनर्जक आस्ति प्रतिशत में	0.00%	0.02%	1.50%	3.04%	3.79%
VII	**लाभप्रदता विश्लेषण**					
1	प्रदत्त ब्याज					
	जमा राशियों पर	3483358	3108918	2575741	2391588	2475073
	उधार पर	140037	71153	43198	44472	54312
2	वेतन	1823311	1686027	1360642	1460429	1096744
3	पेंशन भुगतान तथा प्रावधान	177342	50161	653242	666621	680000
4	अन्य परिचालन व्यय	808146	650299	664724	577011	526088
5	वर्ष के दौरान प्रावधान					
	अलाभकारी आस्तियों के विरूद्ध	8111	253	167441	110072	226969
	अन्य प्रावधान	91844	328057	54134	59749	-1035
6	अर्जित ब्याज					
	ऋण एवं अग्रिमों पर	3727747	3164460	2736771	2380444	2275071
	प्रायोजक बैंक/अन्य बैंकों में सावधि जमा/	704758	614325	430977	286252	438083
	चालू खाते पर					
	सांविधिक चल निधि निवेश पर	2630974	2547602	2402146	2270817	2001478
	गैर सांविधिक चलनिधि निवेश पर	62581	59276	45619	41338	61799
7	विविध आय	445985	386447	343114	401459	297364

8	लाभ/हानि					
	कर पूर्व लाभ	1039896	877243	439505	70369	15644
	कर पश्चात् लाभ	781144	752555	437796	68196	15714
VIII	अन्य सूचनाएं					
1	अंश पूंजी जमा प्राप्त	4	4	0	0	0
2	डीआईसीजीसी					
	संचयी दावे निष्पादित	0	0	0	0	0
	दावा प्राप्त परन्तु लम्बित	0	0	0	0	0
	दावा प्राप्त परन्तु निकाय दर लम्बित	0	0	0	0	0
3	जमा हेतु प्रावधान					
	अलाभकारी आस्तियों के विरूद्ध	1128532	1162417	1258772	1186766	1084928
	परिसम्पित्तियों के विरूद्ध अन्य प्रावधान	0	0	0	0	0
4	अमान्य आय					
	वर्ष के दौरान	0	0	0	0	0
	संचित जमा	0	0	0	0	0
5	बट्टे खाते में डाले गए ऋण					
	खातों की संख्या	525	993	1164	67	704
	राशि (कल्पित ब्याज छोड़कर)	42016	100493	104264	8396	110298
6	संचित हानि	0	0	0	0	0
7	प्रारक्षित निधि	2982465	2201321	1448766	1010970	942775

वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु बैंक के निदेशक मण्डल की रिपोर्ट

समस्त निदेशक मण्डल अपार प्रसन्नता एवं हर्ष के साथ 31 मार्च 2025 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लेखा परीक्षित विवरण के साथ बैंक के व्यवसाय और संचालन पर तेरहवीं रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था का अवलोकन

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) ने 2024-25 में भारत के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत और 2025-26 के लिए भी 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जैसा कि भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक दिनांक 07 से 09 अप्रैल, 2025 में उल्लेखित है। मार्च 2025 के महीने में परचेजिंग मैनेजर इंडेक्स (PMI) विनिर्माण 58.1 और PMI सेवाएँ 58.5 रहा, जो मजबूत मांग और अर्थव्यवस्था के सतत विस्तार को दर्शाती है।

भारत में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) के अनुसार मुद्रास्फीति (Inflation) मार्च 2025 में घटकर 3.34% हो गई। मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक दिनांक 07 से 09 अप्रैल, 2025 के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु CPI मुद्रास्फीति 4.0 प्रतिशत अनुमानित है जोकि पहली तिमाही में 3.6 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 3.9 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 3.8 प्रतिशत और चतुर्थ तिमाही में 4.4 प्रतिशत सम्भावित है।

बढ़ती और स्थायी मुद्रास्फीति को देखते हुए RBI ने मौद्रिक नीति को कड़ा किया और मई 2022 से फरवरी 2023 के बीच नीतिगत दर को 250 आधार अंकों तक बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया था।

फरवरी 2025 में रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती कर इसे 6.25 प्रतिशत किया गया और अप्रैल 2025 में पुनः 25 आधार अंकों की कटौती कर इसे 6.0 प्रतिशत कर दिया गया।

दिसंबर 2024 में RBI ने सभी बैंकों के लिए नकद आरक्षित अनुपात (CRR) को दो समान किस्तों में कुल 50 आधार अंकों की कटौती के साथ घटाकर 4.00 प्रतिशत कर दिया।

उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था

उत्तराखण्ड की प्रति व्यक्ति आय ₹ 2,74,064 रहने की संभावना है, जो कि 11.33% की वृद्धि दर्शाती है, जबकि भारत की प्रति व्यक्ति आय ₹ 2,00,162 रहने का अनुमान है, जिसमें 8.70% की वृद्धि दर्ज की गई है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में उत्तराखण्ड की जीएसडीपी (स्थिर मूल्यों पर) की विकास दर 6.6 प्रतिशत अनुमानित है, जो कि 2023-24 के लिए अनुमानित 7.58 प्रतिशत की तुलना में कम है। 2024-25 में राज्यों की अर्थव्यवस्था में लगभग 9.83%, 43.46% और 46.71% योगदान क्रमशः प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र द्वारा किया जाता है। (स्रोतः उत्तराखंड सरकार का बजट 2025-26)

उत्तराखण्डः प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिकता की भूमि

9 नवंबर 2000 को भारत के 27वें राज्य के रूप में गठित उत्तराखण्ड को उत्तर प्रदेश के उत्तरी जिलों से अलग कर बनाया गया। यह राज्य भव्य हिमालय की तलहटी में रणनीतिक रूप से स्थित है और इसमें हिमनद, नदियाँ, घने वन और बर्फ से ढकी चोटियों जैसे समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों का खजाना है।

'देवभूमि' के रूप में प्रसिद्ध उत्तराखण्ड चार धाम बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री का पावन स्थल है, जो हर वर्ष लाखों तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को आकर्षित करता है। देहरादून, जो राज्य की राजधानी है, अपनी समृद्ध औपनिवेशिक विरासत के साथ एक जीवंत शहर है।

प्रकृति और संस्कृतिः राज्य की निर्मल प्राकृतिक छटा में विश्व प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यान जैसे जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क (भारत का सबसे पुराना राष्ट्रीय उद्यान), फूलों की घाटी (यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल) और पारंपरिक गढ़वाली व कुमाऊँनी संस्कृति को संजोए हुए गाँव शामिल हैं। जैव विविधता से समृद्ध उत्तराखण्ड में रोमांचक ट्रैकिंग मार्ग, तीर्थ यात्रा मार्ग, योग केंद्र और साहसिक पर्यटन के उत्कृष्ट अवसर उपलब्ध हैं।

आर्थिक और रणनीतिक महत्व

पर्यटनः उत्तराखण्ड देश के शीर्ष राज्यों में शामिल है जहाँ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या पर्वतीय श्रेणी में सर्वाधिक है।

कृषि एवं बागवानीः उपजाऊ घाटियों में उच्च मूल्य की फसलें, औषधीय पौधे और जैविक उत्पाद उगाए जाते हैं।

जलविद्युतः समृद्ध नदी तंत्र के कारण उत्तराखण्ड भारत की जलविद्युत क्षमता में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

शैक्षणिक केंद्र: यहाँ IIT रुड़की, IIM काशीपुर, गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर, फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट, देहरादून और दून स्कूल जैसे प्रतिष्ठित संस्थान स्थित हैं, जो राज्य की सशक्त शैक्षणिक संरचना को दर्शाते हैं।

प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाएँ

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे: 210 किमी लंबा एक्सप्रेसवे, जिससे यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी।

देहरादून-मसूरी रोपवे: भारत का सबसे लंबा रोपवे बनने जा रहा है, जो पर्वतीय क्षेत्रों में बेहतर संपर्क प्रदान करेगा।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन: गढ़वाल क्षेत्र के भीतरी इलाकों में रेल संपर्क बेहतर करने की दिशा में एक बड़ा कदम।

कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग (पिथौरागढ़ के माध्यम से): तीर्थयात्रियों को सुरक्षित और तेज यात्रा की सुविधा।

केदारनाथ रोपवे: अत्यधिक ऊँचाई पर दुनिया का सबसे ऊँचा और लंबा रोपवे बनाने की योजना।

जीवन की गुणवत्ता

उत्तराखण्ड शांतिपूर्ण वातावरण, पारंपरिक मूल्यों और आधुनिक सुविधाओं का समन्वय प्रदान करता है। यहाँ की मैत्रीपूर्ण जनसंख्या, स्वच्छ वायु, आध्यात्मिक गहराई और प्राकृतिक सौंदर्य इसे जीवन, कार्य और निवेश के लिए एक आदर्श स्थान बनाते हैं।

उत्तराखण्ड में बैंकिंग उद्योग का अवलोकन

उत्तराखण्ड राज्य में दिनांक 31.12.2024 की तिथि पर कुल 35 बैंकों की 2585 शाखाएं हैं जिनमें 12 पीएसबी, 1 आरआरबी (यूजीबी), 15 निजी बैंक, 5 लघु वित्त बैंक (Small Finance Bank) और सहकारी बैंक (1 राज्य सहकारी बैंक, 10 जिला केंद्रीय सहकारी बैंक) हैं। इसके अतिरिक्त, हरिद्वार जिले में प्रथमा यू.पी ग्रामीण बैंक की एक शाखा है।

राज्य के सभी बैंकों में कुल जमा राशि 31.12.2024 की तिथि पर 9.28% की वृद्धि के साथ ₹ 2,30,739 करोड़ है तथा कुल ऋण 9.10% की वृद्धि के साथ ₹ 121271 करोड़ (आरआईडीएफ को छोड़कर) है। राज्य के सभी बैंकों का सकल एनपीए दिनांक 30.09.2024 को 3.96% है।

दिनांक 31.12.2024 की तिथि पर ऋण जमा अनुपात 54.10% तथा आरआईडीएफ को छोड़कर ऋण जमा अनुपात 52.56% है। दिनांक 30.09.2024 तक कुल ऋण में कृषि ऋण का योगदान 13.55% और प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋण का योगदान 49.35% है। (स्रोत: एसएलबीसी बुक)

नई शाखा/कार्यालय

उत्तराखण्ड के समस्त 13 जिलों में बैंक की 291 शाखाएं और 624 व्यवसाय प्रतिनिधि कार्यरत हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान बैंक ने एक नई शाखा खोली है, जिसका विवरण निम्नवत है:

क्रम	वर्ग	शाखा कोड	शाखा का नाम	शाखा खोलने की तिथि
1	शाखा	178	नौगांव, उत्तरकाशी	25.03.2025

व्यवसाय समीक्षा

बैंक का व्यवसाय दिनांक 31 मार्च 2025 को 12.67% वृद्धि दर के साथ ₹ 13048.45 करोड़ रहा, जो कि दिनांक 31 मार्च 2024 को ₹ 11581.26 करोड़ था।

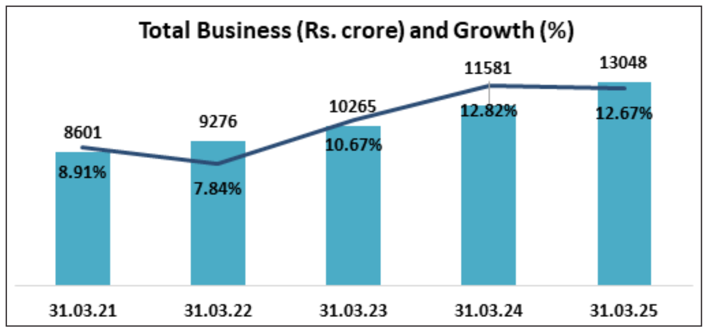

लाभ विश्लेषण

वित्तीय वर्ष में ₹ 16.53 करोड़ का वर्ष 1993 से कंप्यूटर वेतन वृद्धि एरियर, ₹ 8.37 करोड़ राष्ट्रीय पेंशन योजना (NPS) (नियोक्ता अंशदान 11.11.2020 से 14%) पुनरीक्षण हेतु ₹ 1.47 करोड़ ग्रेच्युटी की संशोधित अधिकतम सीमा हेतु भुगतान करने के पश्चात बैंक द्वारा परिचालन लाभ ₹ 113.90 करोड़ तथा ₹ 78.11 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया गया है।

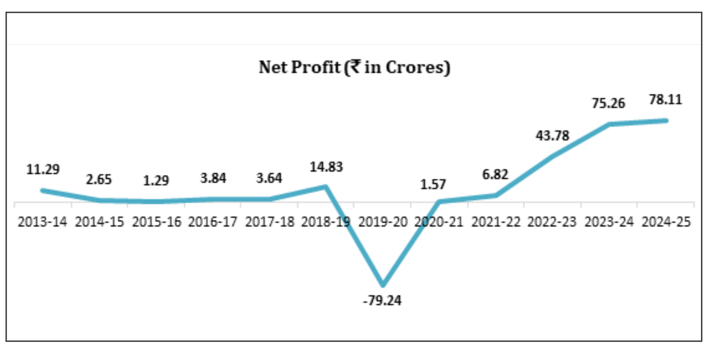

आय-व्यय

(राशि करोड़ ₹ में)

विवरण	2023-24	2024-25	Growth%
ब्याज आय	638.57	712.61	11.59%
ब्याज व्यय	318.01	362.34	13.94%
गैर ब्याज आय	38.64	44.60	15.42%
गैर ब्याज व्यय	238.65	280.88	17.70%
परिचालन लाभ	120.56	113.99	-5.45%
प्रावधान एवं आकस्मिक व्यय	32.83	10.00	-69.54%
कर पूर्व लाभ	87.73	103.99	18.53%
आयकर	12.50	25.92	107.36%
स्थगित किए गए कर तथा गत वर्ष के समायोजन (आधिक्य)	0.03	0.05	66.67%
शुद्ध लाभ	**75.26**	**78.11**	**3.79%**

शुद्ध ब्याज आय

वित्तीय वर्ष की अवधि में कुल ब्याज आय ₹ 712.61 करोड़ हुई तथा ब्याज व्यय ₹ 362.34 करोड़ रहा। वित्तीय वर्ष 2024-25 में शुद्ध ब्याज आय ₹ 350.27 करोड़ हुई जो वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान हुई शुद्ध ब्याज आय ₹ 320.56 करोड़ के सापेक्ष ₹ 29.71 करोड़ अधिक है।

(राशि करोड़ ₹ में)

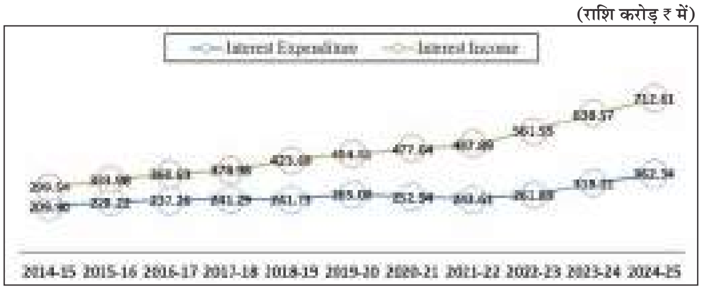

ब्याज व्यय

- जमा राशियों पर दिया गया ब्याज दिनांक 31.03.2024 को दिए गए ब्याज ₹ 310.89 करोड़ से ₹ 37.45 करोड़ बढ़कर दिनांक 31.03.2025 को ₹ 348.34 करोड़ हो गया। जमा राशियों पर औसत लागत 13 बीपीएस की वृद्धि के साथ दिनांक 31.03.2024 के सापेक्ष 4.20% से बढ़कर दिनांक 31.03.2025 को 4.33% हो गई।
- उधार की औसत लागत 2023-24 के 5.81% से बढ़कर 2024-25 को 6.53% पर आ गई है। बैंक द्वारा नाबार्ड तथा अन्य संस्थाओं से लिए गए पुनर्वित्त पर वित्तीय वर्ष 2023-24 में ₹ 7.12 करोड़ के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2024-25 में ₹ 14.00 करोड़ ब्याज का भुगतान किया गया।

(राशि करोड़ ₹ में)

परिचालन व्यय

वित्तीय वर्ष 2024-25 में हुआ परिचालन व्यय वित्तीय वर्ष 2023-24 में हुए ₹ 238.65 करोड़ से बढ़कर ₹ 280.88 करोड़ हो गया है (₹ 42.23 करोड़, 17.70 प्रतिशत की बढ़ौतरी)। परिचालन व्यय में ₹ 17.73 करोड़ का पेंशन फण्ड हेतु भुगतान/प्रावधान तथा ₹ 16.53 करोड़ का कंप्यूटर वेतन वृद्धि एरियर, ₹ 8.37 करोड़ राष्ट्रीय पेंशन योजना (NPS) (नियोक्ता अंशदान 11.11.2020 से 14%) पुनरीक्षण हेतु ₹ 1.47 करोड़ ग्रेच्युटी की संशोधित अधिकतम सीमा हेतु भुगतान भी शामिल है।

अन्य आय

अन्य आय में 2024-25 के दौरान ₹ 596 करोड़ (15.42%) की वृद्धि हुई और यह वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान ₹ 38.65 करोड़ से बढ़कर ₹ 44.60 करोड़ हो गई। बैंक ने इस वित्तीय वर्ष के दौरान निवेश की बिक्री पर लाभ के माध्यम से ₹ 1.96 करोड़ कमाए हैं। गैर-ब्याज आय का कुल आय में हिस्सा वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 5.71% से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 5.89% हो गया है।

ब्याज आय

- वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान ब्याज आय ₹ 74.04 करोड़ (11.59%) की वृद्धि के साथ ₹ 712.61 करोड़ रही, जो कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में ₹ 638.57 करोड़ थी।
- वित्तीय वर्ष 2024-25 में बैंक द्वारा ऋण तथा अग्रिम पर ₹ 56.33 करोड़ (17.80%) की वृद्धि के साथ ₹ 372.77 करोड़ की ब्याज आय अर्जित की गयी है जोकि वित्तीय वर्ष 2023-24 के ₹ 316.45 करोड़ थी।

- निवेश और अन्य बैंकों में सावधि जमा से प्राप्त ब्याज आय ₹ 17.71 करोड़ की वृद्धि के साथ ₹ 339.83 करोड़ रही, जो कि विगत वित्तीय वर्ष में ₹ 322.12 करोड़ थी।

(राशि करोड़ ₹ में)

एन.पी.ए के लिए प्रावधान

- बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष के दौरान अनर्जक अस्तियों हेतु ₹ 0.81 करोड़ का प्रावधान तथा मानक अस्तियों हेतु ₹ 2.57 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

(राशि करोड़ ₹ में)

संपत्ति	2023-24		2024-25	
	बकाया	प्रावधान	बकाया	प्रावधान
मानक	3592.44	12.21	4429.10	14.77
अवमानक	25.89	4.08	26.92	4.16
संदिग्ध	125.72	108.57	118.51	105.26
क्षति	3.59	3.59	3.43	3.43
Total	**3747.64**	**128.45**	**4577.95**	**127.63**

- उपरोक्त के अलावा, बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार बोर्ड की मंजूरी के बाद वित्तीय वर्ष के दौरान ₹ 8.30 करोड़ तथा विगत वित्तीय वर्ष में ₹ 37.48 करोड़ (दिनांक 31.03.2024 को कुल अग्रिमों का 1%) का फ्लोटिंग प्रावधान किया है।

अनुपात विश्लेषण

क्रम	अनुपात	ईकाई	2023-24	2024-25	प्रतिशत
			राशि/अनुपात		परिवर्तन
1	अग्रिमों पर प्राप्ति	%	9.50	9.33	-0.17
2	निवेश पर प्राप्ति	%	7.34	7.29	-0.05
3	जमा लागत	%	4.20	4.33	0.13
4	उधार लागत	%	5.81	6.53	0.72
5	फण्ड का औसत लागत	%	4.20	4.30	0.10
6	फण्ड पर औसत आय	%	8.43	8.46	0.03
7	प्रबन्धन की लागत	%	2.93	3.11	0.18
8	वर्किंग फण्ड के सापेक्ष विविध आय का प्रतिशत	%	0.47	0.49	0.02
9	शुद्ध मार्जिन	%	1.08	1.15	0.07
10	वित्तीय मार्जिन	%	4.23	4.16	-0.07
11	जोखिम लागत	%	0.40	0.11	-0.29
12	आस्तियों से आय	%	0.92	0.87	-0.05
13	इक्विटी से आय	%	18.64	16.21	-2.43
14	व्यय अनुपात	%	66.44	71.13	4.69
15	सकल एन पी ए	करोड़ में	155.20	148.86	-6.34
16	शुद्ध एन पी ए	करोड़ में	0.69	0.00	-0.69
17	सकल एन पी ए हेतु प्रावधान	%	99.55	100	0.45
18	ऋणों के सापेक्ष सकल एन पी ए का प्रतिशत	%	4.14	3.25	-0.89
19	ऋणों के सापेक्ष शुद्ध एन पी ए का प्रतिशत	%	0.02	0.00	-0.02
20	(सी आर ए आर) पूंजी पर्याप्तता अनुपात	%	12.64	12.63	-0.01

बैलेंस शीट का आकार

31 मार्च 2025 को बैलेंस शीट का आकार ₹ 809.81 करोड़ की वृद्धि के साथ ₹ 9546.76 करोड़ हो गया है, जो कि 31 मार्च 2024 को ₹ 976.57 करोड़ की वृद्धि के साथ ₹ 8736.95 करोड़ था।

शेयर पूंजी और रिजर्व

बैंक की अधिकृत पूंजी ₹ 2000 करोड़ है, जो ₹ 10 के 200,00,00,000 इक्विटी शेयरों में पूरी तरह से भुगतान किए गए शेयरों में विभक्त है।

दिनांक 31 मार्च 2025 को बैंक की कुल चुकता शेयर पूंजी ₹ 1,84,26,65,000 (₹ 10 प्रत्येक के 18,42,66,500 शेयर) है। शेयर पूंजी में केन्द्र सरकार, भारतीय स्टेट बैंक (प्रायोजक बैंक) और राज्य सरकार द्वारा क्रमशः 50:35:15 के अनुपात में शेयर धारिता है।

(राशि करोड़ ₹ में)

शेयरधारक	शेयरधारिता (प्रतिशत में)	कुल पूंजी (31.03.2024 को)
केन्द्र सरकार	50 प्रतिशत	921,332,500
भारतीय स्टेट बैंक	35 प्रतिशत	644,932,750
राज्य सरकार	15 प्रतिशत	276,399,750
कुल		**1,842,665,000**

31.03.2025 को कुल रिसर्व ₹ 298.25 करोड़ रहा जो 31.03.2024 को ₹ 220.13 करोड़ था।

पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीआरएआर)

31 मार्च 2025 को बैंक का पूंजी पर्याप्त अनुपात (सीआरएआर) 31 मार्च 2024 के 12.64% से घटकर 12.63% हो गया है। टीयर-I तथा टीयर-II पूंजी का विवरण, रिजर्व तथा पूंजी पर्याप्तता की गणना निम्नवत है।

(राशि करोड़ ₹ में)

	पूंजी	2023-24	2024-25
1	टीयर-I		
	(क) प्रदत्त पूंजी शेयर पूंजी जमा सहित	184.27	184.27
	कमः संचित हानि/अमूर्त आस्तियां	0.67	0.71
	(ख) वैधानिक रिजर्व एवं अधिशेष	68.86	84.48
	(ग) कैपिटल रिजर्व	0.00	0.00
	(घ) अन्य रिजर्व	82.10	82.10
	(ङ) विशेष रिजर्व (आय कर अधिनियम 1961 की धारा 36(1) (viii) के अंर्तगत)	0.00	0.00
	(च) लाभ हानि खाते का अधिशेष	25.66	88.16
	कुल रिजर्व (ख +ग+घ+ङ+च)	176.62	254.30
	कुल टीयर-i पूंजी	360.22	438.29
2	टीयर-ii		
	(क) अघोषित रिजर्व	0.00	0.00
	(ख) पुनर्मुल्यांकन रिजर्व	0.00	0.00
	(ग) सामान्य प्रावधान एवं रिजर्व	15.19	26.53
	(घ) निवेश संबंधी उतार चढ़ाव रिजर्व/निधि	43.51	43.51
	कुल टीयर-ii पूंजी	58.70	70.04
	महायोग (टीयर-i+टीयर-ii)	418.93	508.33
3	(क) वित्तपोषित जोखिमों का समायोजित मूल्य (बैलेंस शीट आइटम)	3307.70	4015.39
	(ख) गैर वित्त पोषित जोखिमों का समायोजित मूल्य (ऑफ बैलेंस शीट आइटम)	6.10	10.02
	(ग) कुल जोखिम भारित आस्तियां (a+b)	3313.80	4025.41
	(घ) कुल जोखिम भारित आस्तियां के सापेक्ष पूंजी (टीयर-i+ टीयर-ii) का प्रतिशत	12.64%	12.63%

जमा राशियाँ

31 मार्च 2025 को जमा राशियाँ 31 मार्च 2024 के ₹ 7833.62 करोड़ के सापेक्ष 8.13% की वृद्धि के साथ ₹ 8470.49 करोड़ हो गयी।

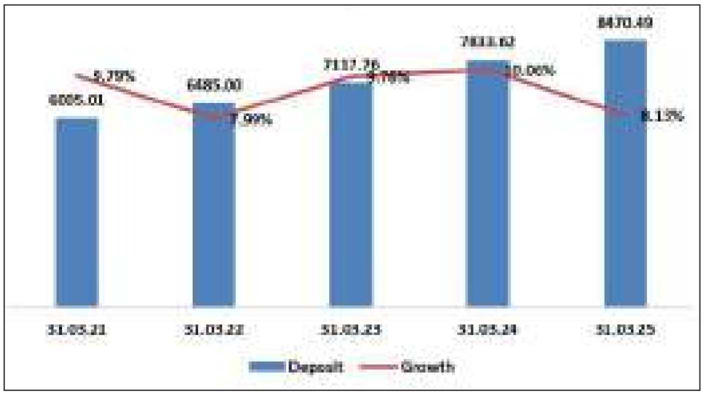

जमा मिश्रण

31 मार्च 2025 को CASA जमा राशियाँ ₹ 327.34 करोड़ (7.17%) वृद्धि प्राप्त कर 31 मार्च 2024 के ₹ 4563.95 करोड़ के सापेक्ष ₹ 4894.29 करोड़ हो गयी है तथा सावधि जमा राशियाँ ₹ 309.53 करोड़ (9.47%) की वृद्धि प्राप्त कर 31 मार्च 2024 के ₹ 3269.67 करोड़ के सापेक्ष ₹ 3579.20 करोड़ हो गयी है। कुल जमा राशियों में CASA का प्रतिशत 31 मार्च 2024 को 58.26% से घट कर 31 मार्च 2025 को 57.75% हो गया है।

(राशि करोड़ ₹ में)

जमा मिश्रण	2022-23	2023-24	2024-25
चालू खाता	151.71	171.02	200.84
वृद्धि	-2.78	19.31	29.82
वृद्धि प्रतिशत	-1.80%	12.73%	17.44%
बचत बैंक खाता	3988.58	4392.93	4690.46
वृद्धि	378.69	404.35	297.53
वृद्धि प्रतिशत	10.49%	10.14%	6.77%
कुल CASA	4140.29	4563.95	4891.29
वृद्धि	375.91	423.66	327.34
वृद्धि प्रतिशत	9.99%	10.23%	7.17%
सावधि जमा	2977.47	3269.67	3579.20
वृद्धि	256.31	292.20	309.53
वृद्धि प्रतिशत	9.42%	9.81%	9.47%
कुल जमा	7117.76	7833.62	8470.49
वृद्धि	632.22	715.86	636.87
वृद्धि प्रतिशत	9.75%	10.06%	8.13%

डीआईसीजीसी प्रीमियम

जमा राशियों की सुरक्षा हेतु बैंक द्वारा नियमित रूप से निपेक्ष बीमा एवं प्रत्यय गारंटी निगम को प्रीमियम का भुगतान नियत समय में किया जा रहा है।

बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान ₹ 10.41 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान डीआईसीजीसी को ₹ 11.41 करोड़ का प्रीमियम भुगतान किया गया है।

उधारियाँ

वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक द्वारा कुल ₹ 251.08 करोड़ का पुनर्वित्त प्राप्त किया गया तथा 31.03.2025 को कुल अवशेष पुनर्वित्त राशियाँ ₹ 284.41 करोड़ है।

उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक वित्तीय वर्ष 2023-24 तथा 2024-25 के दौरान विभिन्न अभिकरणों से प्राप्त उधारियों का विवरण

(राशि करोड़ ₹ में)

क्र.सं.	अभिकरण का नाम	प्रकार	2022-23	31-03-23	2023-24	31-03-24	2024-25	31-03-25
1	नाबार्ड	ST-SAO	67.00	67.00	116.00	95.00	107.15	107.15
2	नाबार्ड	LTCRF	14.50	30.47	26.00	43.61	30.00	61.61
3	नाबार्ड	NRLM	-	0.58	-	-	-	-
4	नाबार्ड	ST-Others	-	-	50.00	50.00	112.00	112
5	कुल नाबार्ड		81.50	98.05	-	188.61	249.15	280.77
6	एनएसकेएफडीसी		-	-	-	-	0.40	0.35
7	एनएचएफडीसी		0.042	0.083	0.06	0.093	0.12	0.17
8	एनएसटीएफडीसी		0.61	1.64	0.32	0.89	0.51	1.07
9	एनबीसीएफडीसी		0.21	0.46	0.33	0.74	0.35	0.99
10	एनएसएफडीसी		-	-	0.67	0.65	0.55	1.06
	कुल		**82.37**	**100.23**	**193.38**	**190.98**	**251.08**	**284.41**

निवेश

आलोच्य वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक का निवेश पोर्टफोलियो ₹ 51.16 करोड़ (-1.37%) घटकर गत वर्ष ₹ 3722.41 करोड़ की तुलना में ₹ 3671.25 करोड़ हो गया है। एएफएस निवेश पोर्टफोलियो पर दिनांक 31.03.2025 की तिथि में कोई मार्क टू मार्किट (Mark to Market) हानि नही है। सरकारी प्रतिभूतियों / एसडीएल / एसएसडीएल का Modified Duration 3.75 वर्ष है।

(राशि करोड़ ₹ में)

क्र.सं.	निवेश	राशि	निवेश पोर्टफोलियो का %	NDTL का %
1	एसएलआर	3548.93	96.67%	NA
1.1	एएफएस	2003.76	54.58%	23.67%
1.2	एचटीएम	1545.17	42.09%	18.25%
2	एसएसडीएल	25.21	0.69%	NA
3	म्यूचल फण्ड	44.37	1.21%	NA
4	बोण्ड्स	52.74	1.44%	NA

नकदी आरक्षित अनुपात तथा सांवधिक तरलता अनुपात (सीआरआर एवं एसएलआर)

बैंक द्वारा नकदी आरक्षित अनुपात तथा सांवधिक तरलता अनुपात की विनियामक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त अवशेष बनाये रखा गया है। बैंक में नकदी आरक्षित अनुपात (सीआरआर) तथा सांवधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) गणना हेतु स्पष्ट प्रणाली है। बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के निर्धारित नकदी आरक्षित अनुपात (सीआरआर) तथा सांवधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) के मानदेयों के पालन में कोई चूक नहीं की गई है। बैंक द्वारा 31.03.2025 की तिथि में नकदी आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में ₹ 339.63 करोड़ और सांवधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) में ₹ 3604.35 करोड़ की राशियाँ रखी गई है।

बैंक द्वारा एचटीएम श्रेणी की प्रतिभूतियों में ₹ 1545.17 करोड़ की धनराशि निवेशित है एवं AFS श्रेणी में बैंक द्वारा ₹ 2003.76 करोड़ निवेशित है। बैंक ने एसएलआर निवेश से वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान ₹ 263.10 करोड़ की ब्याज आय अर्जित की है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान सांवधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) निवेश से औसत आय (Average yield on SLR investment) 7.33% है। बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में सरकारी प्रतिभूतियों के विक्रय से ₹ 1.96 करोड़ का लाभ प्राप्त किया गया है।

ऋण एवं अग्रिम

वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक का ऋण व्यवसाय पिछले वर्ष के ₹ 3747.64 करोड़ की तुलना में ₹ 830.31 करोड़ (22.16%) की वृद्धि प्राप्त कर ₹ 4577.95 करोड़ हो गया है। प्राथमिक क्षेत्र के ऋणों में 23.81% की वृद्धि हुई है तथा वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह ₹ 2641.76 करोड़ हो गया है।

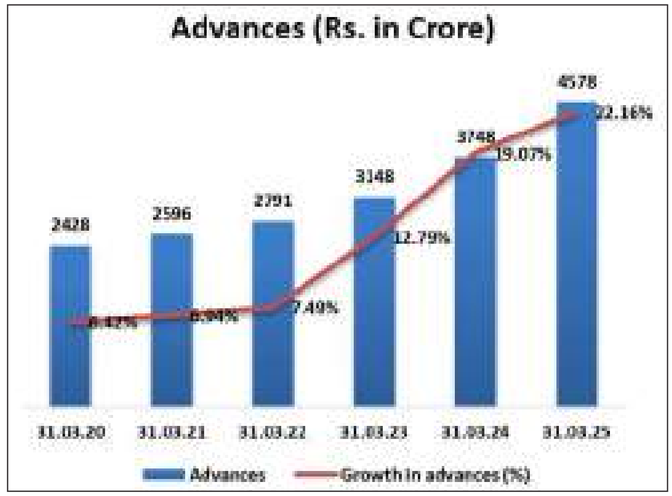

कृषि क्षेत्र

बैंक का कृषि तथा कृषि से सम्बंधित क्रिया कलापों कुल कृषि ऋण व्यवसाय दिनांक 31.03.2025 को पिछले वर्ष के ₹ 557.55 करोड़ की तुलना में 24.66% की वृद्धि प्राप्त कर ₹ 695.05 करोड़ रहा। वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक ने कृषि क्षेत्र में पिछले वर्ष के ₹ 419.75 करोड़ की तुलना में ₹ 535.87 करोड़ का ऋण वितरण किया है।

(राशि करोड़ ₹ में)

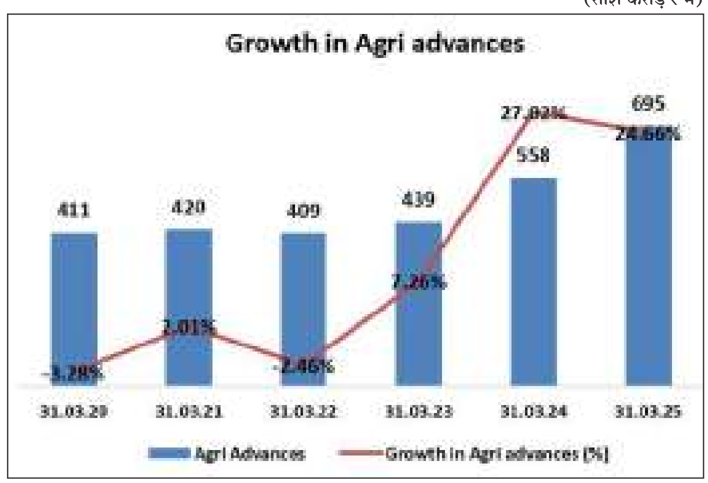

नया कृषि उत्पाद

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान बैंक द्वारा कृषि खण्ड को बढ़ाने के लिये "गुड़-खाण्डसारी योजना" एवं "ई-एन. डबयु. रिसीप्ट योजना" (Negotiable Warehouse Receipt) शुरू की गयी है।

किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत फसल ऋण

बैंक द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से अधिकतम कृषि ऋण वितरण करने के लिये हरसंभव प्रयास किये गये हैं। दिनांक 31.03.2025 को हमारे पास कुल 42872 केसीसी खाते हैं जिनमें से 5003 नये केसीसी वित्तीय वर्ष 2024-25 में जारी किये गये। दिनांक 31.03.2025 को बैंक द्वारा कुल ₹ 222.43 करोड़ ऋण केसीसी धारकों को प्रदान किया गया है, जिनका अवशेष ₹ 341.75 करोड़ है।

ब्याज उपादान

भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अधीन बैंक द्वारा ₹ 3.00 लाख तक के सभी फसली ऋण खातों में 7% ब्याज दर प्रभारित किया जा रहा है तथा तदनुसार ही वित्तीय वर्ष के दौरान 2% ब्याज उपादान (योजना वर्ष 2022-23) हेतु ₹ 23.96 लाख एवं 1.5% ब्याज उपादान (योजना वर्ष 2023-24) हेतु ₹ 116.40 लाख का भारत सरकार को दावा प्रेषित किया गया है। भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अधीन पीआरआई (शीघ्र चुकौती प्रोत्साहन) से संबंधित 3% का लाभ ₹ 1.46 करोड़ की ब्याज उपादान प्रोत्साहन धनराशि किसान क्रेडिट कार्ड धारकों को प्रदान की गई तथा तदनुसार नाबार्ड को दावा प्रस्तुत किया गया है।

संयुक्त देयता समूह (JLGs)

संस्थागत ऋण से वंचित भूमिहीन कृषक, बटाईदार तथा आसामी काश्तकारों को संयुक्त देयता समूह (JLGs) के माध्यम से ऋण प्रदान किया जा रहा है। दिनांक 31.03.2025 को बैंक द्वारा कुल 5221 संयुक्त देयता समूहों को ₹ 23.74 करोड़ का ऋण प्रदान किया गया है जिनमे से वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 686 नए संयुक्त देयता समूहों को ₹ 4.92 करोड़ का ऋण प्रदान किया गया है।

स्वयं सहायता समूह

बैंक द्वारा ग्रामीण जनता विशेष रूप से महिला स्वयं सहायता समूहों में जागरूकता लाने तथा किफायती तरीके से उनकी अति आवश्यक ऋण आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु स्वयं सहायता समूहों के गठन और क्रेडिट लिंकेज पर विशेष जोर दिया गया है। बैंक द्वारा दिनांक 31.03.2025 की तिथि तक कुल 12636 स्वयं सहायता समूहों को ऋण प्रदान किये गये है जिनमें ₹ 154.36 करोड़ अवशेष है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की अवधि में 5681 समूहों को कुल ₹ 218.25 करोड़ ऋण स्वीकृत किये गये है जिसमें से 5389 समूह एनआरएलएम योजना के अन्तर्गत तथा 292 समूह गैर एनआरएलएम योजना के अन्तर्गत आते है।

दीन दयाल उपाध्याय अंतोदय राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)- ब्याज उपादान योजना

बैंक में नाबार्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अधीन राष्ट्रीय आजीविका मिशन योजना लागू की गई है। मिशन का उद्देश्य निर्धन ग्रामीण जनता का कुशल और प्रभावी संस्थागत मंच तैयार करना है ताकि बेहतर संस्थागत वित्तीय सहायता द्वारा उनकी सुनिश्चित आजीविका हो सके तथा आय में वृद्धि हो सके।

योजना के अन्तर्गत सभी महिला डे-एनआरएलएम समूह जिन्हें बैंक द्वारा वित्त पोषित किया गया है और जिन्हे केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभागों नाबार्ड, अथवा किसी भी गैर-सरकारी संगठनों द्वारा गठित किया गया है, योजना का लाभ उठाने के लिए पात्र हैं।

योजना के अनुसार, वर्ष 2024-25 के दौरान महिला स्वयं सहायता समूहों को ऋण पर ब्याज अनुदान योजना देश के सभी जिलों में लागू है। सभी जिलों में ऐसी सभी महिला स्वयं सहायता समूहों को 7% ब्याज दर पर ₹ 3 लाख तक का ऋण दिया गया है और सरकार 4.50% प्रति वर्ष की समान दर पर अनुदान देगी, इसके अलावा, ₹ 3 लाख से अधिक और ₹ 5 लाख तक के ऋण के लिए सरकार समान रूप से 5% की दर पर अनुदान देगी।

प्राथमिकता क्षेत्र ऋण

दिनांक 31.03.2025 को बैंक की कुल अवशेष ऋण राशियाँ ₹ 4577.95 करोड़ हैं, जिनमें से प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के खण्डवार विवरण नीचे दी गई तालिका के अनुसार है।

वर्ग	लक्ष्य %	कुल ऋण अवषेश का %
कुल प्राथमिकता क्षेत्र	75.00	80.75
कृषि	18.00	18.83
लघु एवं सीमांत कृषक	10.00	10.70
माइक्रो एंटरप्राइज	7.50	27.55
कमजोर वर्ग	15.00	26.04

(राशि करोड़ ₹ में)

क्रम	वर्ग	2023-24		2024-25	
		खातों की संख्या	अवशेष राशि	खातों की संख्या	अवशेष राशि
1.	कमजोर वर्ग	75330	880.52	80035	1184.18
2.	महिला ऋणी	19616	742.26	21979	945.89
3.	अल्पसंख्यक	4011	127.72	4126	158.77
4.	अनुसूचित जाति/जनजाति	14627	343.73	14522	375.75

अन्तर बैंक भागीदारी प्रमाण पत्र

बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष में अन्तर बैंक भागीदारी प्रमाण पत्र (IBPC) में भाग नहीं लिया गया।

प्राथमिकता क्षेत्र उधार प्रमाण पत्र

वित्तीय वर्ष 2024-25 में बैंक द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के परिपत्र सं. RBI/FIDD/2020-21/72 (FIDD.CO.Plan.BC.5/ 04.09.01/2020-210) दिनांक 04.09.2020 के अनुसार प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्रों (PSLC) की खरीद/बिक्री की गई जिसका विवरण निम्नानुसार है:

क्रम	वर्ग	अवधि की समाप्ति पर			
		30.6.24	30.9.24	31.12.24	31.3.25
1	जारी किए गए कुल प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र (1.1+1.2+1.3+1.4)	0.00	0.00	50.00	50.00
1.1	1 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र कृषि	0.00	0.00	0.00	0.00
1.2	1 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र लघु एवं सीमांत कृषक	0.00	0.00	50.00	50.00
1.3	1 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र माइक्रो एंटरप्राइज	0.00	0.00	0.00	0.00
1.4	1 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र सामान्य	0.00	0.00	0.00	0.00
2	खरीदे गए कुल प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र (2.1+2.2+2.3+2.4)	925.00	925.00	925.00	925.00
2.1	2 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र कृषि	175.00	175.00	175.00	175.00
2.2	2 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र लघु एवं सीमांत कृषक	0.00	0.00	0.00	0.00
2.3	2 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र माइक्रो एंटरप्राइज	0.00	0.00	0.00	0.00
2.4	2 में, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाण पत्र सामान्य	750.00	750.00	750.00	750.00

सरकार प्रायोजित योजनाएँ

बैंक द्वारा विभिन्न राज्य तथा केन्द्र सरकार प्रायोजित योजनाओं में, ऋण प्रदान कर सक्रिय रूप से भागीदारी की गई है।

दिनांक 31.03.2025 को राजकीय प्रायोजित योजनाओं की स्थिति

(राशि करोड़ ₹ में)

योजना	31.03.2025 की तिथि में अवशेष		वित्तीय वर्ष 2024-25 में ऋण वितरण	
	इकाइयों की संख्या	राशि	इकाइयों की संख्या	राशि
डे-एनआरएलएम	11561	147.58	8444	151.49
वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना	231	38.43	86	15.28
पीएमईजीपी	2905	75.74	1670	22.48
एनयूएलएम (एसजेएसवाई)	783	5.66	261	2.53
एमएसएसवाई	244	132.08	246	120.17
एमएसवाई	9352	258.55	5308	139.95
अन्य	3160	50.98	977	16.92
कुल	**28236**	**709.02**	**16992**	**468.82**

राज्य ऋण योजनाओं में भागीदारी

राज्य ऋण योजनाओं में बैंक की भागीदारी निम्नानुसार है:

(राशि करोड़ ₹ में)

क्रम	वर्ग	2023-24			2024-25		
		लक्ष्य	प्राप्ति	% प्राप्ति	लक्ष्य	प्राप्ति	% प्राप्ति
1.	फ़सली ऋण	821.57	332.39	40.46%	1088.55	407.04	37.39%
2.	एटीएल	375.67	87.35	23.25%	537.93	128.83	23.95%
3.	एनएफएस	1150.21	682.04	59.30%	1499.56	953.00	63.55%
4.	ओपीएस	406.80	100.51	24.71%	73.21	109.44	149.48%
5.	कुल प्राथमिक प्राप्त क्षेत्र	2754.25	1202.29	43.65%	3577.27	1598.32	44.68%
6.	गैर प्राथमिक प्राप्त क्षेत्र	641.02	1266.18	197.53%	673.74	1329.74	197.37%
7.	कुल ऋण वितरण	3395.27	2468.47	72.70%	4251.01	2928.05	68.88%

खुदरा ऋण

वित्तीय वर्ष के दौरान, आवास, शिक्षा ऋण, वैयक्तिक ऋण, मांग ऋण, आदि के लिए खुदरा ऋण के क्षेत्र में हमारा प्रदर्शन निम्नानुसार रहा है:

(राशि करोड़ ₹ में)

क्रम	ऋण खण्ड	31 मार्च 2024 को बकाया		31 मार्च 2025 को बकाया	
		कुल खातों की संख्या	राशि	कुल खातों की संख्या	राशि
1	गृह ऋण	8882	1103.42	9728	1281.48
2	शिक्षा ऋण	491	23.59	700	33.33
3	कार ऋण	2742	130.48	2941	152.66
4	अन्य वैयक्तिक ऋण	16512	911.50	16497	1016.92
5	कुल वैयक्तिक ऋण	28627	2168.99	29866	2484.39

CERSAI

भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में हमारा बैंक CERSAI में पंजीकृत है तथा इसके समस्त निर्देशों का बैंक द्वारा कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। हमारे सभी ऋण खाते जिनमें बैंक द्वारा साम्यमूल बंधक अथवा दृष्टिबंधक प्रभार लिया गया है एवं जो दिनांक 31.03.2025 की तिथि में SARFAESI अधिनियम 2002 के अन्तर्गत सुरक्षित है का निर्धारित अवधि में CERSAI में पंजीकरण किया गया है।

इसके साथ ही बैंक के पक्ष में सृजित किए गए सुरक्षा हित का विवरण CERSAI के सार्वजनिक डोमेन पर नागरिकों/अन्य बैंकों/ वित्तीय संस्थाओं द्वारा जांच के लिए उपलब्ध है जिससे एक ही संपत्ति पर संभावित बहु वित्तपोषण/धोखाधड़ी को रोका जा सके।

माइक्रो यूनिट हेतु क्रेडिट गारंटी फंड (सीजीएफएमयू)

बैंक को वित्तीय वर्ष 2022-23 में सीजीएफएमयू की सदस्यता प्राप्त हुई है। दिनांक 31.03.2025 को कुल 15993 खाते (टीएल/सीसी) सीजीएफएमयू के अन्तर्गत आच्छादित हैं।

शिक्षा ऋण हेतु क्रेडिट गारंटी फंड योजना (सीजीएफएसईएल)

हमारे बैंक को वित्त वर्ष 2023-24 में सीजीएफएसईएल की सदस्यता प्राप्त हुई।

31.03.2025 तक कुल 313 खातों को सीजीएफएसईएल के अंतर्गत शामिल किया गया है।

सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई)

हमारे बैंक को वित्तीय वर्ष 2024-25 में सीजीटीएमएसई के अंतर्गत क्रेडिट गारंटी योजना-1 (सीजीटीएमएसई) की सदस्यता एक सदस्य ऋणदाता संस्था (MLI) के रूप में प्राप्त हुई।

31.03.2025 तक सीजीटीएमएसई के अंतर्गत कुल 313 खाते, जिनकी राशि ₹ 154.10 करोड़ है, शामिल किए गए हैं।

क्रेडिट सूचना कंपनियाँ

हमारा बैंक CIBIL (क्रेडिट इंफॉर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड) का सदस्य है। CIBIL में बैंक नियमित रूप से सूचनायें अपलोड कर रहा है और हमारे सभी क्षेत्रीय कार्यालय और शाखाएँ CIBIL रिपोर्ट का उपयोग करते हुए आवेदकों की Credit history का विवेचन कर ऋण स्वीकृति के निर्णय ले रहे है।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा तीन अन्य क्रेडिट कम्पनियों इक्विफैक्स क्रेडिट इंफॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, एक्सपेरियन क्रेडिट इंफॉर्मेशन कंपनी ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड तथा सीआरआईएफ हाई मार्क क्रेडिट इंफॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को पंजीकरण प्रमाण पत्र दिया गया है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने पत्र क्रमांक DBR No. CID.BC.60/ 20.16.056/ 2014-15 दिनांक 15.01.2015 के द्वारा सभी वित्तीय संस्थानों को सभी क्रेडिट इंफॉर्मेशन कम्पनियों की सदस्यता ग्रहण करने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त के परिपालन में बैंक द्वारा उल्लिखित तीनों क्रेडिट इंफॉर्मेशन कम्पनियों की सदस्यता भी ग्रहण कर ली गई है।

आस्ति गुणवत्ता: अनर्जक आस्तियों का प्रबंधन

31 मार्च 2025 को बैंक की कुल अनर्जक आस्तियाँ 31.03.2024 के ₹ 155.20 करोड़ से घटकर ₹ 148.86 करोड़ हो गई है। 31 मार्च 2025 को बैंक के कुल ऋण के सापेक्ष सकल अनर्जक आस्तियों का प्रतिशत 31 मार्च 2024 के 4.14% से घट्कर 3.25% हो गया है।

बैंक का निवल ऋणों के सापेक्ष निवल एनपीए का प्रतिशत 31 मार्च 2024 के 0.02% से घटकर 31 मार्च 2025 को 0.00% हो गया है। 31 मार्च 2025 को निवल अनर्जक आस्तियाँ 31 मार्च 2024 के ₹ 0.69 करोड़ से घटकर शून्य हो गई है।

संकल्प अभियान

वित्तीय वर्ष 2024-25 की चौथे त्रैमास के दौरान, बैंक ने पिछले तीन वर्षों में हुए नए एनपीए (Fresh Slippage) की वसूली हेतु "संकल्प अभियान" प्रारंभ किया। वर्षवार और खाता-वार विवरण संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ साझा किया गया।

इस अभियान के फलस्वरूप कुल 1168 एनपीए खातों, जिनकी राशि ₹17.43 करोड़ है, को बंद/उन्नत किया गया।

सरफेसी एवं सूट फाइल

SARFAESI अधिनियम 2002 के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रदर्शन निम्नानुसार है।

समझौता प्रस्ताव/ओटीएस

बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में बोर्ड से अनुमोदित समझौता समाधान योजना के अन्तर्गत कई वर्षों के लम्बित अनर्जक ऋण खाते, जिनमें पर्याप्त प्रावधान पहले से किये गये थे, में पर्याप्त वसूली की गई है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में समझौता प्रस्ताव/ओटीएस में प्रदर्शन

(राशि करोड़ ₹ में)

समझौता	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
खातों की संख्या	466	619	952	886	1066
राशि	5.02	6.06	11.53	15.55	14.01

जो कि निम्न माध्यमों से निस्तारित किए गये-

लोक अदालत

वित्तीय वर्ष के दौरान कुल 274 मामलों में ₹ 3.60 करोड़ की राशि के मामले लोक अदालतों के माध्यम से निस्तारित किये गए।

बैंक अदालत

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान ₹ 3.24 करोड़ की राशि के 350 मामले बैंक अदालतों के माध्यम से निस्तारित किये गए।

ऋण खातों का अपलेखन

बैंक द्वारा उन अनर्जक आस्तियों जिन्हें संदिग्ध एवं हानिप्रद आस्तियों के अन्तर्गत श्रेणीवद्ध किया गया है तथा जिसमें वसूली के सभी प्रयास किये जा चुके थे, का अपलेखन किया गया है जिसका विवरण निम्नवत है।

(राशि करोड़ ₹ में)

जारी किये गये मांग नोटिस		जारी किये गये कब्जा अधिकार नोटिस		कब्जा अधिकार प्राप्त		नीलामी		नियमितीकरण	
खातों की सं.	राशि	खातों की सं.	राशि	खातों की सं.	राशि	खातों की सं.	राशि	खातों की सं.	राशि
212	41.5	142	31.04	67	60.07	28	34.70	85	16.42

दिनांक 31 मार्च 2025 में दायर किए गए वाद की स्थिति

(राशि करोड़ में)

वाद दायर		डिक्री प्राप्त		ईपी दायर		वाद दायर करने के उपरांत वसूली	
वाद संख्या	राशि	वाद संख्या	राशि	वाद संख्या	राशि	वाद संख्या	राशि
196	5.27	298	9.94	60	10.47	205	3.17

(राशि करोड़ ₹ में)

विवरण	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
खातों की संख्या	67	1188	989	549
अपलिखित राशि	0.84	9.62	9.64	4.47
काल्पनिक ब्याज	1.02	17.20	17.78	6.98
कुल राशि	**1.86**	**26.81**	**27.42**	**11.45**

आस्ति वर्गीकरण

(राशि करोड़ ₹ में)

आस्ति	2023-24		2024-25	
	बकाया	प्रतिशत	बकाया	प्रतिशत
मानक	3592.44	95.86%	4429.10	96.75%
अवमानक	25.89	0.69%	26.92	0.59%
संदिग्ध	125.72	3.35%	118.51	2.59%
हानिप्रद	3.59	0.10%	3.43	0.07%
कुल अनर्जक आस्ति	155.20	4.14%	148.86	3.25%
कुल ऋण	**3747.64**		**4577.95**	

हानिप्रद शाखाएँ

दिनांक 31.03.2025 को गत वर्ष की कुल 8 हानिप्रद शाखाओं के सापेक्ष 6 शाखाएं हानिप्रद रही, जिनमें से दो शाखाएं (बिन एवं पाटी मंदिर) मार्च 2024 में खोली गयी हैं।

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली - निरीक्षण और लेखा परीक्षा

बैंक की सभी गतिविधियों को आंतरिक लेखा परीक्षा के अन्तर्गत शामिल किया जाता है, जिसमें छः अलग-अलग प्रकार के ऑडिट शामिल होते हैं: (ए) जोखिम केन्द्रित आंतरिक ऑडिट (आरएफआईए) (बी) समवर्ती लेखा परीक्षा (सी) पूरक ऑडिट (डी) आंतरिक मूल्यांकन लेखा परीक्षा (ई) अनुपालन लेखा परीक्षा (एफ) सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा (जी) लीगल ऑडिट (एच) स्टॉक ऑडिट (आई) आई एस ऑडिट।

जोखिम केन्द्रित आंतरिक ऑडिट (आरएफआईए)

प्रायोजक बैंक (भारतीय स्टेट बैंक) द्वारा जोखिम केन्द्रित आंतरिक ऑडिट रिपोर्ट प्रणाली (आर.एफ.आई.ए) को 01 अप्रैल 2017 से हमारे बैंक में लागू किया गया है। लेखा परीक्षा मानको को सुदृढ़ करने के लिए तथा उच्च रेटिंग प्राप्त करने हेतु IT (सूचना तकनीक) IS (सूचना प्रणाली) ऑडिट को इसमें शामिल किया गया है।

रेटिंग प्रणाली विषयक मानदण्ड वार अंक निम्नानुसार है:-

(राशि करोड़ ₹ में)

संशोधित रेटिंग	वर्ग	अंक श्रेणी
अच्छी तरह नियंत्रित	A+	850 या अधिक
पर्याप्त रूप से नियंत्रित	A	700 तथा 700 से अधिक एवं 850 से कम
सामान्य रूप से नियंत्रित	B	600 तथा 600 से अधिक एवं 700 से कम
असंतोषजनक ढ़ंग से	C	600 से कम

हानिप्रद शाखाओं की संख्या

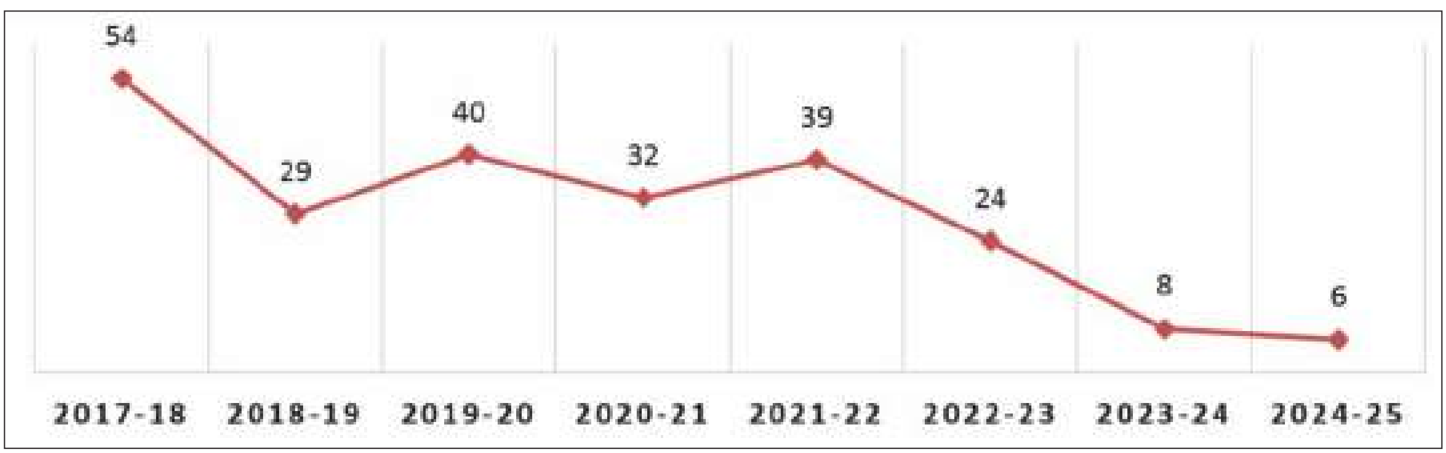

अच्छी तरह नियंत्रित A + और पर्याप्त रूप से नियंत्रित A रेटिंग वाली शाखाओं को पिछली ऑडिट की तारीख से 18 माह में ऑडिट किया जाता है, जबकि सामान्य रूप से नियंत्रित B रेटिंग वाली शाखाओं तथा असंतोष जनक ढंग से नियंत्रित C शाखाओं का एक वर्ष की समयावधि के अन्तर्गत ऑडिट किया जाता है।

इस वित्तीय वर्ष के दौरान 291 शाखाओं में से 195 का ऑडिट किया गया है। शाखाओं द्वारा प्राप्त की गयी रेटिंग निम्नानुसार है।

(राशि करोड़ ₹ में)

रेटिंग		वित्तीय वर्ष के 2024-25 के दौरान ऑडिट की गई शाखाएं	समस्त 291 शाखाओं की वर्तमान स्थिति
अच्छी तरह नियंत्रित	A+	61	82
पर्याप्त रुप से नियंत्रित	A	133	207
सामान्य रुप से नियंत्रित	B	1	1
असंतोषजनक ढंग से नियंत्रित	C	0	0
नई शाखाऐं (जिनका ऑडिट नहीं हुआ है)		-	1
कुल		**195**	**291**

लेखा परीक्षकों द्वारा प्रस्तुत लेखा परीक्षा रिपोर्टस को जहाँ आवश्यक है, सुधारात्मक कार्यवाही कर निष्पादित किया गया है। निरीक्षण विभाग द्वारा अपने कार्य को निष्पक्ष और बिना किसी पूर्वाग्रह के निष्पादित किया गया है जिससे प्रणालियों और प्रक्रियाओं को मजबूत करने में सहायता मिली है।

वर्ष के दौरान कुल अंकेक्षित कुल 213 ऑडिट रिपोर्टस (जिसमें से 41 रिपोर्टस वित्तीय वर्ष 2023-24 की लम्बित थी) में से 212 रिपोर्टस बंद की जा चुकी है तथा दिनांक 31.03.2025 को 01 रिपोर्ट बंद होने के लिए लम्बित हैं, जो कि 12 सप्ताह से अधिक समय से लम्बित नहीं है।

समवर्ती लेखा परीक्षा

बैंक में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के एक भाग के रूप में, वित्त वर्ष 2011-12 में नाबार्ड द्वारा जारी नीति दिशानिर्देशों के अनुसार समवर्ती लेखा परीक्षा शुरू की गई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 111 शाखाओं की बैंक के आन्तरिक लेखा परीक्षों, 5 सेवानिवृत बैंक-अधिकारियों एवं 4 सीए फर्मों की टीम द्वारा समवर्ती लेखा परीक्षा की गई है।

समवर्ती लेखा परीक्षा में निम्न क्षेत्र शामिल है

ए) नकदी संचालन बी) प्रतिभूतियों की सुरक्षित अभिरक्षा सी) विवेकाधीन शक्तियों के प्रयोग डी) विविध और उचन्ति खाते इ) समाशोधन अंतर एफ) सामान्य अनियमिततायें

पूरक ऑडिट

नाबार्ड के दिशा-निर्देशों पर बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 से बैंक के आंतरिक नियत्रंण प्रणाली के भाग के रूप में पूरक ऑडिट की शुरूआत की गई थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4 सेवानिवृत बैंक-अधिकारियों एवं 4 सीए फर्मों की टीम द्वारा 51 शाखाओं का पूरक ऑडिट किया गया।

पूरक ऑडिट में निम्न क्षेत्र शामिल है

ए) नकदी संचालन बी) प्रतिभूतियों की सुरक्षित अभिरक्षा सी) विवेकाधीन शक्तियों के प्रयोग डी) विविध और उचन्ति खाते इ) समाशोधन अंतर एफ) सामान्य अनियमिततायें

आंतरिक मूल्यांकन लेखा परीक्षा

आंतरिक मूल्यांकन लेखापरीक्षा उन शाखाओं में की जाती है जो समवर्ती लेखा परीक्षा के अंतर्गत नहीं आती हैं। क्षेत्रीय कार्यालय आंतरिक मूल्यांकन लेखा परीक्षा करने के लिए अधिकारियों को एक शाखा से दूसरी शाखा में प्रतिनियुक्त करते हैं।

अनुपालना ऑडिट

इस वित्तीय वर्ष के दौरान 34 (17.43%) शाखाओं में अनुपालन लेखा परीक्षा की गई है (न्यूनतम 15%)।

क्रेडिट ऑडिट

इस वित्तीय वर्ष के दौरान सभी 15 पात्र खातों में क्रेडिट ऑडिट किया गया।

लीगल ऑडिट

इस वित्तीय वर्ष के दौरान सभी 68 पात्र खातों में लीगल ऑडिट किया गया।

स्टॉक ऑडिट

इस वित्तीय वर्ष के दौरान 14 पात्र खातों में स्टॉक ऑडिट किया गया।

आधार केंद्र ऑडिट

इस वित्तीय वर्ष के दौरान 29 आधार केंद्रों का आधार केंद्र ऑडिट किया गया।